Publication: **Business Standard** | Region : **Delhi** | Date: **31/12/2016** | Page No.: **06**

नोटबंदी का जीवन बीमा पर नहीं हुआ असर

लगता है कि जीवन बीमा क्षेत्र नोटबंदी की प्रक्रिया से बेअसर रहा है क्योंकि जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और निजी क्षेत्र की बीमा कंपनियों, दोनों ने इस अवधि के दौरान दो अंकों में वृद्धि दर्ज की। अक्टूबर की तुलना में नवंबर में जहां निजी क्षेत्र की बीमा कंपनियों के लिए वार्षिक प्रीमियम समतुल्य (एपीई) 24 प्रतिशत बढ़ा वहीं एलआईसी के लिए यह 15 प्रतिशत पर रहा। सालाना आधार पर निजी बीमा कंपनियां और एलआईसी 42 फीसदी और 38 फीसदी की शानदार वृद्धि दर से बढ़ीं।

बाजार भागीदारी के संदर्भ में, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ और मैक्स लाइफ ने नवंबर में मासिक आधार पर सर्वाधिक बढ़त दर्ज की, वहीं एचडीएफसी लाइफ और बजाज आलियांज ने इस मामले में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की। कई बैंक-केंद्रित बीमा कंपनियों ने अपने जीवन बीमा व्यवसाय में अच्छी वृद्धि दर्ज करने के लिए इस महीने ग्राहकों की संख्या में अच्छा खासा इजाफा दर्ज किया। नोटबंदी की वजह से लोगों द्वारा वित्तीय बचत में तेजी इसकी अन्य वजह हो सकती है। दूसरी तरफ रिलायंस लाइफ अपनी बाजार भागीदारी में गिरावट को कम करने में कामयाब रही और इसने नवंबर में मजबूत रफ्तार बरकरार रखी। कुल मिलाकर, निजी जीवन बीमा कंपनियों की बाजार भागीदारी 190 आधार अंक बढ़कर 52.7 फीसदी हो गई है जबकि शेष पर एलआईसी काबिज है।

- शीतल अग्रवाल

बीमा कंपनियों का प्रदर्शन

एपीई आधार पर बाजार भागीदारी (%)

निजी कंपनियों की भागीदारी	नवंबर 2016	बदलाव बीपीएस में सालाना	बदलाव बीपीएस में मासिक
आईसीआईसीआई प्रू लाइफ इंश्योरेंस	27.2	570	210
एसबीआई लाइफ	21.9	70	-10
एचडीएफसी लाइफ	10.7	-480	-310
मैक्स लाइफ	9.6	180	210
बजाज आलियांज	3.6	40	-110
पीएनबी मेटलाइफ	3.3	-40	-20
टाटा एआईए	2.9	30	10
कोटक महिंद्रा ओल्ड	2.7	-80	-40
बिड़ला सनलाइफ	2.6	-20	10
रिलायंस निप्पॉन लाइफ	2.6	-100	0

बीपीएस: आधार अंक, उपर्युक्त सूची निजी क्षेत्र में बाजार भागीदारी के घटते क्रम में है

स्रोत: आईआरडीए, डॉयचे बैंक